



दुनिया के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों की सूची में डॉ. आरके गर्ग

उपलब्धि

लखनऊ, वरिष्ठ संवाददाता। दुनिया के शीर्ष दो फीसदी वैज्ञानिकों की सूची में केजीएमयू न्यूरोलॉजी विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. रविन्द्र कुमार (आरके) गर्ग ने जगह बनाई है। स्टैनफोर्ड-एल्सेवियर की ओर से तैयार इस सूची में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार डॉ. गर्ग लखनऊ के सूची में शामिल वर्तमान और पूर्व चिकित्सा शिक्षकों में सबसे आगे हैं। उन्होंने करियर-लॉन्ग और वर्ष 2025 की

सिंगल-ईयर, दोनों श्रेणियों में सर्वोच्च स्थान हासिल किया है। स्व-उद्धरणों को हटाने के बाद उनकी करियर-लॉन्ग वैश्विक रैंक 26680 और वर्ष 2025 की सिंगल-ईयर रैंक 27254 रही है। डॉ. गर्ग वर्तमान में एरा विश्वविद्यालय में कार्यरत हैं। हालांकि स्टैनफोर्ड-एल्सेवियर के डेटाबेस में उनकी संस्थागत संबद्धता केजीएमयू के नाम से दर्ज है। शोध के क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय डॉ. गर्ग के शोध पत्रों को दुनिया भर के वैज्ञानिकों ने उद्धृत किया है। इसी आधार पर उनका शोध प्रभाव सूची में दर्ज हुआ है।



इन्किलाबी नज़र

हज़ार योद्धाओं पर विजय पाना
आसान है, लेकिन जो अपने
ऊपर विजय पाता है वही सच्चा
विजयी है।
- गौतम बुद्ध

आवाज़ ... आम आदमी की

लखनऊ, शनिवार, 10 अक्टूबर 2026

वर्ष 19 अंक 39 मूल्य 4-00 रुपये पृष्ठ-12

तापमान - अधिकतम 31.5°C (-2.7) न्यूनतम 22.0°C (+0.6) सेसेक्स 72,472.33 (+879.09) निफ्टी 22,520.45 (-288.65) सोना 1,50,860 चांदी 2,34,000 मुद्रा - डालर 96.78 दिहम 26.35 रियाल 25.80

लखनऊ

शनिवार, 10 अक्टूबर 2026

लखनऊ

इन्किलाबी
नज़र 3

शोध के दम पर दुनिया में चमके एरा के तीन वैज्ञानिक

लखनऊ (ब्यूरो)। एरा यूनिवर्सिटी और एराज लखनऊ मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के लिए बड़ी उपलब्धि है। संस्थान के तीन प्रतिष्ठित वैज्ञानिक प्रो. अब्बास अली महदी, प्रो. रवींद्र कुमार गर्ग और प्रो. स्वर्ण जीत सिंह फ्लोरा को वर्ष 2026 की स्टैनफोर्ड एल्सेवियर की दुनिया के शीर्ष दो प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की सूची में शामिल किया गया है। यह उपलब्धि चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और वैज्ञानिक नवाचार के क्षेत्र में संस्थान के योगदान को दर्शाती है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के प्रो. जॉन पी इओनिडिस के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने एल्सेवियर के सहयोग से यह सूची तैयार की है। इसमें 20 प्रमुख वैज्ञानिक क्षेत्रों और 174 उप क्षेत्रों में

सबसे ज्यादा साइट किये जाने वाले (जिनके काम का सबसे ज्यादा हवाला दिया जाता है) वैज्ञानिकों की पहचान करता है। यह सम्मान शोधकर्ताओं के वैश्विक प्रभाव, साइटेशन के असर और अपने-अपने क्षेत्रों में उनके लगातार योगदान को दर्शाता है।

प्रो. स्वर्ण जीत सिंह फ्लोरा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध विष विज्ञानी हैं। उन्होंने पर्यावरणीय और विषाक्तता, आर्सेनिक और सीसा के दुष्प्रभावों तथा ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और एंटीऑक्सीडेंट व कीलेटिंग एजेंटों का उपयोग करके इलाज के तरीकों को विकसित करने पर काम किया है। उनके स्कॉलरली प्रोफाइल में लगभग 77 का एच इंडेक्स और



लगभग 25,000 साइटेशन दर्ज हैं। एरा यूनिवर्सिटी के न्यूरोलॉजिस्ट प्रो. रवींद्र कुमार गर्ग एक जाने माने तंत्रिका रोग विशेषज्ञ हैं। उन्होंने क्लिनिकल न्यूरोलॉजी के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। उनका शोध ट्यूबरकुलस मेनिन्जाइटिस, न्यूरोसिस्टीसर्कोसिस, जापानी



इंसेफलाइटिस और केंद्रीय तंत्रिका तंत्र के संक्रमणों पर केंद्रित रहा है। उनके स्कॉलरली प्रोफाइल में लगभग 61 का एच इंडेक्स और 18,600 से अधिक साइटेशन दर्ज हैं। वहीं एरा यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. अब्बास अली महदी ने क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री, फ्री रेडिकल



बायोलॉजी, ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस, न्यूरोटॉक्सिकोलॉजी और हेवी मेटल टॉक्सिसिटी के क्षेत्र में अहम योगदान दिया है। उनके खास रिसर्च में सेरेब्रल मलेरिया के कारण आंखों पर पड़ने वाले असर, पुरुषों में इनफर्टिलिटी (बांझपन) और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस, औषधीय पौधों की इलाज करने की

क्षमता और मेटल से होने वाली न्यूरोटॉक्सिसिटी की प्रक्रिया पर की गई स्टडीज शामिल हैं। उन्होंने बायोमेडिकल रिसर्च, प्रिंसिपल मेडिसिन और संस्थान को आगे बढ़ाने में भी बड़ी भूमिका निभाई है। उनके स्कॉलरली प्रोफाइल के अनुसार, उनका एच इंडेक्स लगभग 58 है और उन्हें 28,000 से ज्यादा बार साइट किया गया है। 2026 की लिस्ट में इन तीनों वैज्ञानिकों का शामिल होना एरा यूनिवर्सिटी के लिए गर्व की बात है और यह मेडिकल एजुकेशन, साइंटिफिक रिसर्च और इनोवेशन में बेहतरीन काम करने के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को दिखाता है। उनके सामूहिक वैज्ञानिक योगदान ने टॉक्सिकोलॉजी,

स्टैनफोर्ड एल्सेवियर की विश्वस्तरीय 2 फीसदी वैज्ञानिकों की सूची में मिली जगह
वैज्ञानिक शोध में एरा की बड़ी उपलब्धि

न्यूरोसाइंस और बायोमेडिकल साइंस के ज्ञान को आगे बढ़ाने में मदद की है, साथ ही युवा रिसर्चर्स और पोस्ट-ग्रेजुएट स्टूडेंट्स को उच्च-गुणवत्ता वाले और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण रिसर्च करने के लिए प्रोत्साहित किया है। एरा यूनिवर्सिटी इस उपलब्धि के लिए तीनों प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों को बधाई देती है और वैज्ञानिक प्रगति, हेल्थकेयर और समाज में उनके निरंतर योगदान की उम्मीद करती है।